कला, विज्ञान, वाणिज्य एवं बी.एड. संकायों की नैक (B^{++}) प्रत्यायित संस्था

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सिविल लाइन्स, गोरखपुर–273001

सम्बद्ध : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

दिगंत

ई-पत्रिका:नवम्बर-2025

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 'अ' श्रेणी में वर्गीकृत

Website : www.dnpgcollege.edu.in **Helpline Email** : dnpgonline@gmail.com

Office Email : dnpggkp@gmail.com **Contact Number** : 0551-2334549

For Social App links (Click one icon) :

दिगंत-ई-पत्रिका:नवम्बर-2025

संरक्षक मण्डल

परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज

मुख्य संरक्षक

श्री प्रमोद कुमार चौधरी

उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

सम्पादक मण्डल

प्रो. ओम प्रकाश सिंह,प्राचार्य

प्रधान सम्पादक

1. **डॉ. सुभाष चन्द्र,** सहायक आचार्य, बी.एड. विभाग
2. **डॉ. विभा सिंह,** सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग
3. **डॉ. प्रियंका सिंह,** सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग
4. **श्री अश्वनी कुमार श्रीवास्तव,** तकनीकी सहायक

November-2025

कार्यक्रम-विवरण

क्र.सं.	दिनांक एवं दिन	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	पेज नं.
1	03.11.2025 सोमवार	वाणिज्य विभाग	रिसर्च प्रोजेक्ट एवं शैक्षणिक अनुसंधान पद्धति विषय विशेष व्याख्यान का आयोजन	1
2	04.11.2025 मंगलवार	वाणिज्य विभाग	सहज़योग ध्यान के माध्यम से शिक्षा में नवाचार की भूमिका विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला	2
3	06.11.2025 वृहस्पतिवार	शिक्षाशास्त्र विभाग	विशिष्ट व्याख्यान	3–4
4	07.11.2025 शुक्रवार	महाविद्यालय	आई.क्यू.ए.सी. बैठक	4
5	07.11.2025 शुक्रवार	एन.सी.सी.	एनसीसी कैडेट्स ने राष्ट्रगीत ''वंदे मातरम्'' का किया सामूहिक गान	5
6	08.11.2025 शनिवार	महाविद्यालय	छात्र परिषद अनुमोदन कार्यक्रम	5–6
7	11.11.2025 मंगलवार	राष्ट्रीय सेवा योजना	विशेष कार्यक्रम का आयोजन	6–7
8	12.11.2025 बुधवार	समाजशास्त्र	अण्डरस्टैण्डिंग चैलेन्जेज एण्ड राइट्स ऑफ ट्रान्सजेण्डर विषय पर एक कार्यशाला	7–8
9	17.11.2025 सोमवार	राजनीति विज्ञान विभाग	एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन	8–9
10	17.11.2025 मंगलवार	कंप्यूटर विज्ञान एवं बीसीए विभाग	दो दिवसीय सेमिनार (प्रथम दिवस)	9–10
11	18.11.2025 मंगलवार	कंप्यूटर विज्ञान एवं बीसीए विभाग	दो दिवसीय सेमिनार (द्वितीय दिवस)	10–11
12	18.11.2025 मंगलवार	बी.एड.विभाग	अतिथि व्याख्यान	11–12
13	18.11.2025 मंगलवार	महाविद्यालय	संस्थापक सप्ताह समारोह के अंतर्गत आयोजित सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों	12–13
14	22.11.2025 शनिवार	महाविद्यालय	'वन्देमातरम्' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता	13

November-2025

15	23.11.2025 रविवार	एन.सी.सी	एन.सी.सी. का स्थापना दिवस	13–14
16	26.11.2025 बुधवार	एन.सी.सी	सप्ताह समारोह के अन्तर्गत रक्तदान शिविर का हुआ सफल आयोजन	14
17	28.11.2025 शुक्रवार	एन.सी.सी	महात्मा ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि पर 'फुले' मूवी दिखाई गई, प्रशिक्षुओं को किया गया जागरूक।	15

November-2025

वाणिज्य विभाग में आज रिसर्च प्रोजेक्ट एवं शैक्षणिक अनुसंधान पद्धति विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन

दिनांक 03.11.2025 को महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग में "रिसर्च प्रोजेक्ट एवं शैक्षणिक अनुसंधान पद्धति" विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में शोध कार्य के प्रति रुचि विकसित करना, अनुसंधान प्रक्रिया को समझाना तथा उच्च शिक्षा में रिसर्च आधारित अधिगम को प्रोत्साहित करना था।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता ने रिसर्च प्रोजेक्ट की रूपरेखा, शोध शीर्षक चयन, समस्या कथन, समीक्षा साहित्य, शोध पद्धति, डेटा संग्रहण, विश्लेषण तथा रिपोर्ट लेखन के चरणों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती रानी द्विवेदी ने किया। उन्होंने शोध के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रिसर्च आधारित अध्ययन से विद्यार्थियों की सोच विश्लेषणात्मक एवं रचनात्मक बनती है, जो भविष्य में उन्हें प्रतिस्पर्धात्मक माहौल में आगे बढ़ने में मदद करती है।

Nov.-2025

सहज़योग ध्यान के माध्यम से शिक्षा में नवाचार की भूमिका एक दिवसीय कार्यशाला

दिनांक 04.11.2025 को महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग में **सहज़योग ध्यान के माध्यम से शिक्षा में नवाचार की भूमिका** विषय पर **एक दिवसीय कार्यशाला** का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों के बौद्धिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास हेतु ध्यान एवं योग के महत्व को रेखांकित करना था, ताकि वे उच्च शिक्षा एवं प्रतियोगी वातावरण में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

कार्यक्रम के **मुख्य वक्ता श्री दयाशंकर लाल श्रीवास्तव** ने सहज़योग ध्यान की तकनीकों, ध्यान के वैज्ञानिक पहलुओं तथा शिक्षा में इसके उपयोगी परिणामों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि नियमित ध्यान से मन एकाग्र होता है। **मुख्य अतिथि श्री राजेश राज** ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में मानसिक शांति एवं भावनात्मक संतुलन अत्यंत आवश्यक है। ध्यान एवं योग न केवल शिक्षा में नवाचार का माध्यम है, बल्कि यह व्यक्तिगत एवं व्यवसायिक सफलता की कुंजी भी है। **कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो.(डॉ.) ओम प्रकाश सिंह** ने की। उन्होंने कहा कि शिक्षा प्रणाली में मानसिक स्वास्थ्य एवं वैचारिक स्पष्टता को महत्व देना समय की मांग है। इस **कार्यशाला में कुल 725 छात्र–छात्राएँ** उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों ने ध्यान सत्र का अनुभव करते हुए इसे अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादाय क बताया।

November

शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन

दिनांक 06.11.2025 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लागू होने के साथ ही भारत के शैक्षिक परिदृश्य में एक गहन परिवर्तन की प्रक्रिया आरंभ हुई है। इस नीति ने शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता, समानता और सर्वांगीण विकास को केंद्र में रखकर शिक्षण की नई दिशा निर्धारित की है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का प्रमुख उद्देश्य है। ऐसी शिक्षा व्यवस्था का निर्माण जो केवल परीक्षा–केंद्रित न होकर सीखने की गुणवत्ता– नवाचार– सृजनात्मकता और नैतिक मूल्यों पर आधारित हो। यह नीति बाल्यावस्था से लेकर उच्च शिक्षा तक एक सतत और समावेशी दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है।

उपर्युक्त बातें गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय सागर मध्य प्रदेश से पधारे शिक्षाशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ रजनीश अग्रहरि थे। महाविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें में मुख्य अतिथि डॉ हरि सिंह थे।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि गुणवत्तापरक शिक्षा के अंतर्गत नीति में शिक्षक प्रशिक्षण, मूल्यांकन प्रणाली में सुधार– स्थानीय भाषाओं के प्रयोग– तकनीकी सहायता से शिक्षण– और विद्यार्थियों की सोचने–समझने की क्षमता के विकास पर विशेष बल दिया गया है। प्राथमिक स्तर पर बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता' (Foundational Literacy and Numeracy) को आधार माना गया है। विशिष्ट अतिथि के रूप में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ अर्जुन सोनकर सहायक आचार्य दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर ने कहा कि इस नीति के तहत

November-2025

5+3+3+4 संरचना लागू की गई है। जो बच्चों के मनोवैज्ञानिक और विकासात्मक चरणों को ध्यान में रखकर बनाई गई है।

विशिष्ट अतिथि डॉक्टर कृष्ण कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य केवल ज्ञानार्जन तक सीमित नहीं– बल्कि विद्यार्थियों में मानवता– समावेशिता– पर्यावरण चेतना और वैश्विक दृष्टिकोण का विकास करना भी है। यही दृष्टिकोण गुणवत्तापरक शिक्षा की सच्ची पहचान है।

प्राचार्य डॉ. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में गुणवत्ता को केवल परिणामों से नहीं– बल्कि विद्यार्थियों की सोच, व्यवहार और सामाजिक सहभागिता से जोड़ा गया है। कार्यक्रम का संचालन डॉ त्रिभुवन मिश्रा ने तथा आभार ज्ञापन शिक्षाशास्त्र विभाग की प्रभारी डॉ निधि राय ने किया।

आई.क्यू.ए.सी. बैठक

दिनांक 07.11.2025 को महाविद्यालय में आई.क्यू.ए.सी.की बैठक हुई जिसमें सभी क्राइटेरिया पर चर्चा की गयी। प्रबन्धन के माननीय सदस्य श्री प्रमथनाथ मिश्र जी द्वारा 202 विद्यार्थियों को प्रबन्धन द्वारा दी जाने वाली सहायता राशि को महाविद्यालय के इनकम टैक्स के सुसंगत धारा के अन्तर्गत प्रदर्शित कर छूट लेने हेतु निर्देशित किया गया एवं महाविद्यालय के स्वास्थ्य केन्द्र को सक्रिय करने हेतु निर्देशित किया गया। डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह सदस्य प्रबन्ध समिति द्वारा नैक में 'ए' ग्रेड लाने हेतु कठोर परिश्रम की सलाह दी गयी। डॉ. सी.एम.सिन्हा सदस्य आई.क्यू.ए.सी. द्वारा आगामी नैक में उच्च

November-2025

ग्रेड पाने की शुभकामना व्यक्त की गयी। प्रबन्धन के वरिष्ठ सदस्य माननीय श्री रामजन्म सिंह द्वारा प्रत्येक कार्य दिवस को नैक मूल्यांकन दिवस मांगकर कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया। प्राचार्य जी द्वारा सभी क्राइटेरिया संयोजकों/सदस्यों 'ए' ग्रेड प्राप्त करने के क्रम में पूरी क्षमता से कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया तथा प्रबन्धन के सभी सदस्यों तथा शहर के मेयर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव के आभार ज्ञापन के साथ ही बैठक समाप्त होने की घोषणा की गयी।

एन.सी.सी. कैडेट्स ने राष्ट्रगीत ''वंदे मातरम्'' का किया सामूहिक गान

दिनांक 07.11.2025 को 44 यूपी वाहिनी एन.सी.सी., गोरखपुर के तत्वावधान में महाविद्यालय की एन.सी. सी. प्लाटून द्वारा राष्ट्रगीत "वंदे मातरम्" के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के NCC कैडेट्स ने सामूहिक रूप से "वंदे मातरम्" का गायन किया। इस अवसर पर देशभक्ति का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। **महाविद्यालय एन.सी.सी. प्लाटून के सीटीओ डॉ सुभाष चन्द्र ने बताया कि यह आयोजन राष्ट्रगीत की गौरवशाली परंपरा और मातृभूमि के प्रति सम्मान व्यक्त करने के उद्देश्य से किया गया।**

शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा छात्र परिषद अनुमोदन कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 08.11.2025 को महाविद्यालय के शिक्षक–शिक्षा विभाग में नवगठित छात्र परिषद अनुमोदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) ओमप्रकाश सिंह का स्वागत नवगठित छात्र परिषद की अध्यक्ष आकांक्षा राव एवं मंत्री नेहा दूबे ने पुष्प

November-2025

गुच्छ भेंट कर किया। सहमंत्री आदर्श राव ने माल्यार्पण कर प्राचार्य जी का स्वागत एवं अभिनन्दन किया। स्वागत के इसी क्रम में बी०एड० प्रथम वर्ष की छात्राध्यापिका प्रिया, प्रज्ञा एवं सुधा यादव ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्राचार्य जी ने नवगठित छात्र परिषद (सत्र 2025–26) को अनुमोदित कर स्वीकृति प्रदान करते हुए समस्त पदाधिकारियों के प्रति अपनी शुभकामना व्यक्त की।

कार्यक्रम के दौरान ही विश्व ओज़ोन दिवस–2025 के अवसर पर 'पर्यावरण संरक्षण' विषय पर आधारित पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र भी वितरित किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य जी ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि विश्व धरोहर पर भारतीय संस्कृति, विरासत तथा ज्ञान परंपरा का अमिट प्रभाव रहा है। शिक्षा में बढ़ते हुए तकनीकी प्रभाव पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि तकनीकी, शिक्षा प्रणाली की सहायक हो सकती है वो अध्यापक का विकल्प नहीं हो सकती।

राष्ट्रीय सेवा योजना की चारों इकाइयों द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 11.11.2025 को महाविद्यालय में राष्ट्रगीत वन्देमातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सेवा योजना की चारों इकाइयों द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय परिसर में किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्र भावना, सांस्कृतिक चेतना और देशभक्ति की भावना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ओम प्रकाश सिंह ने की, जबकि कार्यक्रम का संचालन डॉ. निधि राय द्वारा किया गया।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्य डॉ.

November 2025

ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि "वन्देमातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा है। इस गीत से अनगिनत क्रांतिकारियों ने प्रेरणा प्राप्त की थी। आज इसके 150 वर्ष पूर्ण होने पर हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने राष्ट्र, संस्कृति और संविधान की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।" उन्होंने छात्रों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता महाविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग के आचार्य डॉ. त्रिभुवन मिश्रा ने कहा कि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत केवल साहित्यिक रचना नहीं, बल्कि भारत की सामूहिक चेतना का प्रतीक है।

समाजशास्त्र विभाग द्वारा कार्यशाला का आयोजन

12 नवम्बर, 2025 को महाविद्यालय गोरखपुर के समाजशास्त्र विभाग एवं सृष्टि सेवा संस्थान व एकता सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में अण्डरस्टैण्डिंग चैलेन्जेज एण्ड राइट्स ऑफ ट्रान्सजेण्डर विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें **मुख्य अतिथि गरिमा गृह की प्रमुख संचालिका एकता महेश्वरी थी। उन्होने कहा कि** हमारे समुदाय को विभिन्न सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिसमें सामाजिक बहिष्कार, भेद–भाव, बेरोजगारी और शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच की कमी मुख्य रूप से हैं। इसके साथ ही साथ उन्हें शारीरिक और मानसिक शोषण का भी सामना करना पड़ता है।

सरकारी प्रयासों से वर्ष 2014 से इनके बारे में बात की जाने लगी है। समाज के हर वर्ग के बच्चे अपने भविष्य का लक्ष्य तय कर लेते हैं, लेकिन यह समुदाय अपने जीवन के बारे में कोई लक्ष्य नहीं बना पाता। **विशिष्ट अतिथि के रूप में गरिमा गृह की प्रोजेक्ट मैनेजर श्वेता ने कहा कि** उ0प्र0 का पहला गरिमा गृह यहां खुला है। हमारा प्रयास है कि इस समुदाय के लोगों को एक नई दिशा दी जाय और जिससे उन्हें भी सम्मानजनक जिन्दगी जीने का हक मिले। जिन ट्रान्सजेण्डर लोगों के पास रहने के लिए घर नहीं होता, उन्हे सक्षम सहयोग प्रदान किया जाता है। **कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि** शिव का अर्द्धनारीश्वर रूप ही सृष्टि का पहला ट्रान्सजेण्डर स्वरूप है। भारत में इनके अधिकारों के लिए समर्पित संस्था या आयोग के गठन की मांग की गयी है, जो महिला आयोग की तर्ज पर इनके मुद्दों पर काम कर सके। **उक्त कार्यक्रम की प्रस्ताविकी प्रो0 अर्चना सिंह प्रभारी, समाजशास्त्र विभाग ने एवं संचालन आकांक्षा पाण्डेय, परियोजना प्रबन्धक सृष्टि सेवा संस्थान ने एवं आभार ज्ञापन डॉ0 सुनील सिंह ने किया।**

राजनीति विज्ञान विभाग में 'शोध प्रविधि विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 17.11.2025 को महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा सोमवार को "शोध प्रविधि" विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में शोध के प्रति रुचि, अनुशासन और वैज्ञानिक दृ ष्टिकोण का विकास करना था। कार्यक्रम में बी.ए. पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला का शुभारंभ विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक श्री इंद्रेश कुमार पाण्डेय के स्वागत भाषण से हुआ। **अ पने उद्बोधन में श्री पाण्डेय ने शोध में प्रमाणिकता बनाए रखने के लिए वैज्ञानिक पद्धति के पालन की आवश्यकता पर बल दिया। विभाग के वरिष्ठ शिक्षक डॉ. शैलेश कुमार सिंह ने बदलते शोध परिदृश्य और आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर विस्तार से चर्चा की।**

November-2025

डॉ. **प्रियंका सिंह ने शोध कार्य में अनुशासन, प्रभावी योजना और समन्वय के महत्व पर प्रकाश डाला।** कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखे और प्रश्न पूछे, जिनका समाधान वक्ताओं ने विस्तार से किया। **राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से सभी प्रतिभागियों के प्रति डॉ अखिल श्रीवास्तव द्वारा आभार व्यक्त किया गया।**

कंप्यूटर विज्ञान एवं बीसीए विभाग के संयुक्त तत्वावधान में गूगल कैंपस स्टूडेंट एंबेसडर प्रोग्राम

दिनांक 17.11.2025 को महाविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान एवं बीसीए विभाग के संयुक्त तत्वावधान में गूगल कैंपस स्टूडेंट एंबेसडर प्रोग्राम के तहत विषय 'पाइथन और मशीन लर्निंग के माध्यम से नवाचार को सशक्त बनाना' पर दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया सेमिनार के प्रथम दिन ओम नाथ, सीनियर डेवलपिंग ट्रेनर, एन.आई.आई.टी ने विद्यार्थियों को प्रायोगिक जानकारी देते हुए बताया कि आज के डिजिटल युग में पाइथन और मशीन लर्निंग नवाचार की रीढ़ बनते जा रहे हैं। सरल सिंटैक्स, विशाल लाइब्रेरी सपोर्ट और उच्च स्तर की डेटा एनालिटिक्स क्षमता के कारण पाइथन मशीन लर्निंग मॉडल विकसित करने के लिए सबसे पसंदीदा भाषा है।

ओम जी ने प्रायोगिक रूप से समझाते हुए बताया कि पाइथन और मशीन लर्निंग का उपयोग वास्तविक समस्याओं के समाधान में किया जाता है, जैसे डेटा प्री–प्रोसेसिंग, मॉडल डेवलपमेंट, ट्रेनिंग, टेस्टिंग और डिप्लॉयमेंट। **विशिष्ट अतिथि ई पीयूष पाण्डेय ने विद्यार्थियों को संबोधित करते**

हुए बताया की बायोडेटा बनाते समय उसे प्रभावी और आकर्षक बनाने के लिए सबसे पहले उसकी संरचना स्पष्ट, व्यवस्थित और प्रोफेशनल होनी चाहिए। जानकारी हमेशा नवीनतम, सटीक और नौकरी की आवश्यकता के अनुसार होनी चाहिए, इसलिए अनावश्यक विवरण या बहुत लंबी जानकारी से बचें। **कार्यक्रम का संचालन डॉ पवन कुमार पाण्डेय, प्रभारी कंप्यूटर विज्ञान विभाग एवं मेंटर गूगल कैंपस एम्बेसडर ने किया।**

अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य प्रो ओम प्रकाश सिंह ने इस कार्यक्रम हेतु बधाई देते हुए कहा कि महाविद्यालय निरंतर एकेडमिक क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। महाविद्यालय की छात्रा का गूगल आवेदन के रूप में चयन इसकी पुष्टि करता है। आभार ज्ञापन डॉ अविनाश श्रीवास्तव,बालाजी एकेडमी द्वारा किया गया।

कंप्यूटर विज्ञान एवं बीसीए विभाग के संयुक्त तत्वावधान में गूगल कैंपस स्टूडेंट एंबेसडर प्रोग्राम के द्वितीय दिवस

दिनांक 18.11.2025 को महाविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान एवं बीसीए विभाग के संयुक्त तत्वावधान में गूगल कैंपस स्टूडेंट एंबेसडर प्रोग्राम के तहत विषय 'पाइथन और मशीन लर्निंग के माध्यम से नवाचार को सशक्त बनाना' पर दो दिवसीय सेमिनार के दूसरे दिन ओम नाथ, सीनियर डेवलपिंग ट्रेनर, एन.आई. आई.टी ने विद्यार्थियों को पाइथन में पंडाज लाइब्रेरी डेटा विश्लेषण और डेटा प्रबंधन के लिए एक बेहद शक्तिशाली टूल है। पंडाज हमें बड़े डेटा सेट को आसानी से पढ़ने, लिखने, साफ़ करने और विश्लेषण करने की सुविधा देता है।

November-2025

विशिष्ट अतिथि ई पीयूष पाण्डेय ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि आप साक्षात्कार में प्रस्तुति देते समय सबसे महत्वपूर्ण है आत्मविश्वास, स्पष्टता और व्यवस्थित ढंग से अपनी बात रखना। शुरुआत में अपने बारे में संक्षिप्त और प्रभावी परिचय दें, जिसमें आपकी शिक्षा, अनुभव और मुख्य कौशल शामिल हों। प्रस्तुति के दौरान भाषा सरल रखें और मुख्य बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करें, अनावश्यक जानकारी से बचें। **कार्यक्रम का संचालन डॉ पवन कुमार पाण्डेय,प्रभारी कंप्यूटर विज्ञान विभाग एवं मेंटर गूगल कैंपस एम्बेसडर ने किया। इस अवसर पर बीसीए की छात्रा एवं गूगल एंबेसडर सृष्टि त्रिपाठी को प्राचार्य द्वारा सम्मानित किया गया। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य प्रो ओम प्रकाश सिंह ने सफल सेमिनार आयोजन हेतु गूगल, विभाग एवं विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। आभार ज्ञापन डॉ अविनाश श्रीवास्तव, बालाजी एकेडमी द्वारा किया गया।**

बी.एड.विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान

दिनांक 18.11.2025 को महाविद्यालय के शिक्षक–शिक्षा विभाग में अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. लक्ष्मण सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफ़ेसर, शिक्षाशास्त्र विभाग, जे.बी. महाजन पी.जी. कॉलेज, चौरी चौरा, गोरखपुर थे। तत्पश्चात बी.एड. प्रथम सेमेस्टर की प्रशिक्षु सुधा, अंजलि और वैष्णवी ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। इसके उपरांत कार्यक्रम के मुख्य अतिथि का स्वागत प्रशिक्षु सुर्यांशू शुक्ला ने माल्यार्पण कर तथा

हर्षिता एवं रोशनी ने पुष्प गुच्छ भेंट कर किया। स्वागत के इसी क्रम में बी०एड० प्रथम वर्ष की छात्राध्यापिका प्रिया, सुधा, और अंजलि ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

मुख्य अतिथि डॉ. लक्ष्मण सिंह ने 'भारत में उच्च शिक्षा की वर्तमान स्थिति' विषय पर अपने उद्बोधन में कहा कि उच्च शिक्षा में मात्रात्मक विकास के साथ गुणात्मक उन्नयन अपरिहार्य है। राष्ट्र की प्रगति के लिए जितने भी कारक महत्त्वपूर्ण होते हैं, वे सभी शिक्षा के दायरे में आते हैं। स्वतन्त्रता भारत का पहला शिक्षा आयोग उच्च शिक्षा पर ही आधारित था। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के पाँच आधारभूत स्तंभ हैं पहुँच, समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य (वहनीयता) और जवाबदेही। इन स्तंभों का उद्देश्य एक ऐसी शिक्षा प्रणाली बनाना है जो 21वीं सदी की जरूरतों को पूरा करे। उन्होंने अपने प्रेरणादायक वक्तव्य में कहा कि "शिक्षा सदैव फलती–फूलती रहेगी और एक दिन यह निश्चित रूप से फलदार वृक्ष के समान विस्तृत एवं समृद्ध परिणाम प्रदान करेगी।"

कार्यक्रम का संचालन बी०एड० प्रथम वर्ष की प्रशिक्षु नेहा दुबे ने, अतिथि परिचय प्रशिक्षु आदर्श राव, तथा आभार ज्ञापन प्रशिक्षु सायंतन कुमार ने किया। इस अवसर पर विभाग की प्रभारी प्रो. (डॉ.) शुभ्रा श्रीवास्तव, वरिष्ठ प्राध्यापक अरुण कुमार तिवारी, डॉ. सुभाष चन्द्र, श्री राकेश कुमार सिंह, श्री प्रदीप यादव सहित सभी प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

संस्थापक सप्ताह समारोह के अंतर्गत आयोजित सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों

दिनांक 18.11.2025 को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह के अंतर्गत आयोजित सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में महाविद्यालय के तत्वाधान में हिंदी भाषण प्रतियोगिता का सफल आयोजन दिनांक 17.11.2025 को किया गया। इस प्रतियोगिता का विषय "2047 का विकसित भारतः हमारी संकल्पना" रहा।

November-2025

कार्यक्रम में मुख्य निर्णायक के रूप में प्रो. राजेश सिंह आचार्य (हिंदी विभाग) बुद्ध पी.जी. कॉलेज, डॉ दीपक सहायक आचार्य (हिंदी विभाग) बुद्ध पी.जी.कॉलेज और डॉ. दिवाकर द्विवेदी सहायक आचार्य, हिंदी विभाग भवानी प्रसाद पांडे पी.जी. कॉलेज शामिल थे।

राष्ट्रगीत वंदेमातरम् के 150 वर्ष पूरे होने का स्मरणोत्सव के अन्तर्गत निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन

दिनांक 22.11.2025 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर में राष्ट्रगीत वंदेमातरम् के 150 वर्ष पूरे होने का स्मरणोत्सव के अन्तर्गत 44 यू.पी.बी. एन. एन.सी.सी, गोरखपुर के तत्वावधान में 'वन्देमातरम्' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

निबन्ध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान– कैडेट उन्नति सोनकर, रेनू शर्मा, द्वितीय स्थान– अंकित कुमार सिंह, सान्या जायसवाल तथा तृतीय स्थान– अनुष्का, प्रिया राज निषाद ने प्राप्त किया।

44 यूपी बटालियन एनसीसी गोरखपुर द्वारा दिनांक 23 नवंबर 2025 को एनसीसी अपना 78वां स्थापना दिवस

44 यूपी बटालियन एनसीसी गोरखपुर द्वारा दिनांक 23 नवंबर 2025 को एनसीसी अपना 78वां स्थापना दिवस मनाया गया। जिसके अन्तर्गत 26 नवम्बर को रक्तदान 27 नवम्बर को साईकिल रैली 28 नवम्बर को नुक्कड़ नाटक तथा 30 नवम्बर को एनसीसी डे परेड एवम् अचीवर्स के लिए रैंक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

आज दिनांक 30 नवम्बर 2025 को 44 यूपी बी.एन. एनसीसी गोरखपुर एवं एम.पी. इण्टर कॉलेज, गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में एनसीसी डे परेड एवम् अचीवर्स के लिए रैंक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालयए गोरखपुर दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज गोरखपुर तथा महाराणा प्रताप इण्टर कॉलेज गोरखपुर के कुल 245 कैडेट्स ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर कॉलेज सीनियर

November-2025

कैडेट्स सचिन शर्मा ने कैप्टन दीपक शर्मा को रिपोर्ट किया। उसके पश्चात् दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज गोरखपुर तथा महाराणा प्रताप इण्टर कॉलेज, गोरखपुर के एनसीसी सब.यूनिट्स के कैडेटों द्वारा महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्, गोरखपुर के मैदान पर शानदार मार्च पास्ट का प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर तथा महाराणा प्रताप इण्टर कॉलेज, गोरखपुर के चयनित वरिष्ठ कैडेटों को रैंक प्रदान किया गया।

एन.सी.सी सप्ताह समारोह के अन्तर्गत रक्तदान शिविर का हुआ सफल आयोजन

दिनांक 26.11.2025 को 44वीं यूपी बटालियन एन.सी.सी एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस जिला चिकित्सालय गोरखपुर रक्त संग्रह केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज गोरखपुर द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

शिविर के संयोजक डॉ. सुभाष चन्द्र, सी.टी.ओ, एन.सी.सी, दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर ने बताया कि शिविर में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज, महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज, कबूतरी देवी महाविद्यालय से एन.सी.सी के कुल 33 वॉलिंटियर एन.सी.सी कैडेट्स ने प्रतिभाग किया। प्रतिभाग करने वाले सभी कैडेट्स का मेडिकल चेकअप करने के बाद रक्तदान हेतु योग्य पाए गए 26 कैडेट्स ने अपना स्वैच्छिक रक्तदान किया।

November 2025

महात्मा ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि पर 'फुले' मूवी दिखाई गई, प्रशिक्षुओं को किया गया जागरूक।

दिनांक 28.11.2025 को महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। फुले, जिन्होंने महिला शिक्षा, सामाजिक समानता और मानवाधिकारों के लिए संघर्ष किया, उनका निधन 28 नवंबर 1890 को हुआ था। देशभर में इस दिन उनके कार्यों को स्मरण किया जाता है।

इसी अवसर पर बी.एड. विभाग में फुले के जीवन पर आधारित 'फुले' मूवी का प्रदर्शन किया गया। मूवी के माध्यम से प्रशिक्षुओं को उनके सामाजिक सुधार कार्यों, विशेषकर शिक्षा के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान से अवगत कराया गया।

November 2025